

कक्षा:- नवम - हिन्दी परियोजना कार्य

स्वच्छ भारत अभियान

हिन्दी परियोजना कार्य

नाम -
कक्षा -
कॉर्प -
कक्षा -

आमार बाप

विवरण - तालिका

प्रस्तावना

- स्वच्छता स्वच्छ जीवन की कुंजी
- स्वच्छता दिनचर्या में शामिल
- तात्पर्य शरीर, घर एवं आसपास की सफाई है नही बल्कि मानसिक स्वच्छता से भी है
- स्वच्छता स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी क्योंकि स्वच्छता ही स्वस्थ व शांतिपूर्ण जीवन का अनिवार्य भाग
- स्वच्छता में ही ईश्वर का वास

परिचय

- स्वच्छ भारत का सपना गांधी ने देखा
- उनकी इच्छा भारत के सभी नागरिक एक साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने का कार्य करें
- 14 व 15 अक्टूबर पर कार्य आरंभ
- अभियान का नाम - ग्रामीण स्वच्छता अभियान
- इस नाम में संशोधन - निर्मल भारत अभियान
- 1 अक्टूबर 2012 को मनमोहन सिंह सरकार
- अंतिम रूप - स्वच्छ भारत अभियान
- 24 सितम्बर 2014 को केंद्रीय मंत्रिमंडल
- गांधी जी के सपने को पूरा करने का बीड़ा उद्यम तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने
- दिल्ली के राजघाट से अभियान की शुरुआत
- 2 अक्टूबर 2014

कूप-रेखा

- राष्ट्रव्यापी आंदोलन
- सफाई, सुनिश्चित करने के लिए सभी नागरिकों से इस अभियान में जुड़ने की अपील
- लोगों की भागीदारी बढ़ाने एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता के लिए दिल्ली के बालमोहि बाली ने बाइ साइड, गेट सरकारी, विद्यालय, व अन्य जगहों पर

आंतरिकता

- संस्कृति में कृषि भारत की द्वि स्वयंसेवक के संदर्भ में व्युत्पन्न
- विदेशी पर्यटकों का आना का आर्थिक सुकृान, विकास अवसुध
- छोटे-छोटे के कर्मण जीव-जंतुओं की दशा दयनीय
- ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की सुवक्ता में सुधार लाना
- कर्मों का पुनव्यकरण और सुवारा इतिगत अन्य कार्यों में

उपस्थिति

- देश का कौना-कौना स्वयं
- बापू की 158 वीं जयंती को इस लक्ष्य की प्राप्ति के रूप में मनाया जा सके
- सफाई की दिशा में प्रवर्ष 100 घंटे के समय के लिए लोगों को प्रेरित करना
- लोगों की गुणात्मक लक्ष्यता
- सुले में बांधू करने से रोकना, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में
- पैड लगाना कचड़ा सुवह वातावरण बनाना, शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराना आदि
- पर्यटन का बढ़ावा

कार्यप्रणाली

• कार्य करने के तरीके द्वात स्वयं लिलेंगे।

उपसंहार

• आंदोलन तक ही सीमित नहीं, दैनिक जीवन में प्रयोग

सहायक ग्रंथों की सूची

- गांधी - "स्वयंसेवक ही सेवा हैं"
- कोत-स्लौयन भी लिख सकते हैं।
- माता-पिता, गुरु, कितार का नाम
- इंटरनेट जिलते भी सहायता ली है। उल्लेख कम नाम

NOTE -

• द्वात करनी इच्छा से सुभव विषयों को लिख सकते हैं

- 10 - 15 पन्ना से अधिक नहीं होना चाहिए
- प्रत्येक पृष्ठ पर बाह्य रेखा (outer line) जरूरी
- आवरण हाकपेल, रचनात्मक कार्य (Drawing)
- विषय से संबंधित चित साध पृष्ठ पर
- जीव-विज्ञान (Biology) के लिए प्रयोग की जाने वाली जाइल का प्रयोग करें